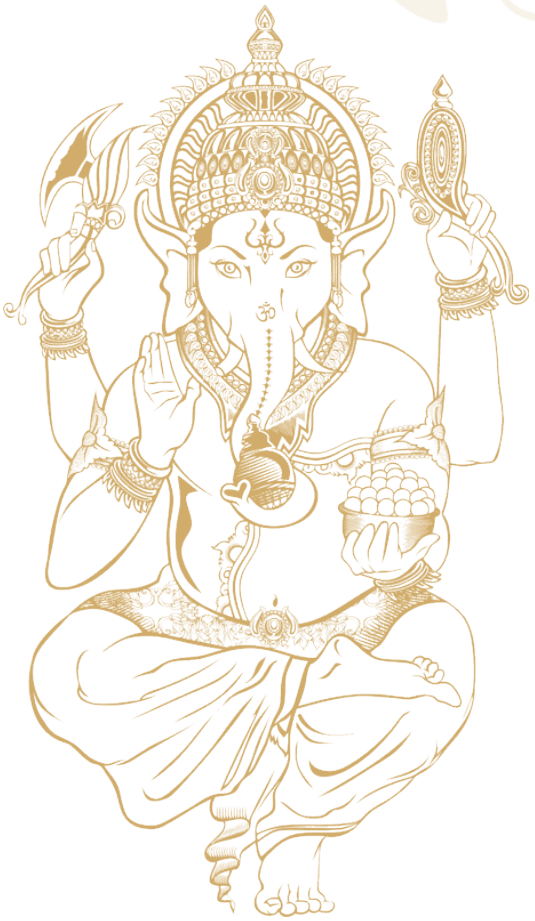

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/07/2007	जन्म तिथि	08/09/2008
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 34:52:25	जन्म समय(घटी)	07:20:12 घटी
India	देश	India
Dungarpur	स्थान	Himatnagar
23:55:00 उत्तर	अक्षांश	23:35:00 उत्तर
73:48:00 पूर्व	रेखांश	73:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:48	स्थानिक संस्कार	-00:37:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:01	सूर्योदय	06:22:09
19:19:02	सूर्यास्त	18:48:18
23:57:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 2मा 25दि	26:02:33	मक	लग्न	तुला	00:30:32	बुध 2वर्ष 5मा 2दि
राहु	13:05:57	कर्क	सूर्य	सिंह	21:53:19	शुक्र
24/10/2016	20:21:10	मक	चंद्र	वृश्चि	28:05:55	10/02/2018
24/10/2034	00:59:25	वृष	मंगल	कन्या	18:43:59	10/02/2038
राहु 07/07/2019	26:39:10	मिथु	बुध	कन्या	18:29:19	शुक्र 12/06/2021
गुरु 29/11/2021	16:03:04	वृश्चि व	गुरु व	धनु	18:33:06	सूर्य 12/06/2022
शनि 05/10/2024	08:49:45	सिंह व	शुक्र	कन्या	16:29:31	चन्द्र 11/02/2024
बुध 25/04/2027	01:44:53	सिंह	शनि	सिंह	18:27:01	मंगल 12/04/2025
केतु 12/05/2028	13:16:41	कुंभ व	राहु	मक	24:15:01	राहु 11/04/2028
शुक्र 13/05/2031	13:16:41	सिंह व	केतु	कर्क	24:15:01	गुरु 11/12/2030
सूर्य 06/04/2032	24:12:24	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	26:53:23	शनि 10/02/2034
चन्द्र 06/10/2033	27:02:57	मक व	नेप व	मक	28:14:37	बुध 11/12/2036
मंगल 24/10/2034	02:42:42	धनु व	प्लूटो व	धनु	04:30:52	केतु 10/02/2038

लग्न-चलित

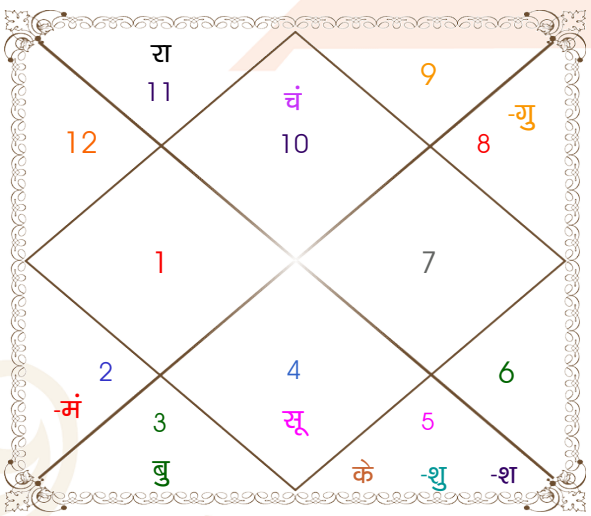

लग्न-चलित

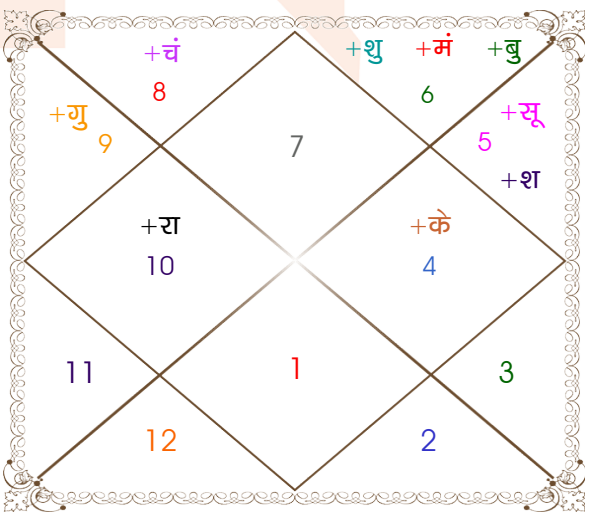

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।